

वशिव संस्कृत दविस

सरोत: पी.आई.बी

हल ही में प्रधानमंत्री (PM) ने वशिव संस्कृत दविस के अवसर पर शुभकामनाएँ दीं ।

- वशिव संस्कृत दविस का परचिय:

- पहला वशिव संस्कृत दविस वर्ष 1969 में मनाया गया था ।
- यह प्रत्येक वर्ष श्रावण पूरणमा को मनाया जाता है, जो हदू कैलेंडर के अनुसार श्रावण माह में पूरणमा का दनि होता है । यह रक्षाबंधन के साथ भी मेल खाता है ।
- यह दनि संस्कृत भाषा के प्रतिकृतज्जता और सम्मान प्रकट करने के लयि मनाया जाता है ।

- संस्कृत भाषा:

- संस्कृत एक प्राचीन भारतीय-आर्य भाषा है । इसे कई भारतीय भाषाओं की जननी माना जाता है, जसि देव वाणी (देवताओं की भाषा) भी कहा जाता है ।
 - संस्कृत को वैदकि संस्कृत और लौककि संस्कृत में वभिजति कयिा गया है ।
 - वैदकि संस्कृत: ऋग्वेद, उपनिषद और पुराण जैसे ग्रंथों में पाया जाने वाला पुरातन रूप है ।
 - लौककि संस्कृत: यह पाणिनि के व्याकरण पर आधारति एक बाद का, मानकीकृत रूप है, जसिका उपयोग साहित्य, दर्शन, वज्जिज्ञान और कला में कयिा जाता है ।
- यह भारतीय संवधान की आठवीं अनुसूची में 22 आधिकारकि भाषाओं में से एक है ।
- इसे तमलि, तेलुगु, कन्नड, मलयालम और ओडिया के साथ भारत की 6 शास्त्रीय भाषाओं में से एक माना जाता है ।

और पढ़ें: [वशिव संस्कृत दविस](#)